शोध एवं शोध विधियाँ

शोध क्या है ?

- शोध तत्सम संज्ञा शब्द है जो शुद्ध धातु से बना है।
- शुद्ध का मूल अर्थ है – शुद्ध करना ,परिमार्जित करना, संदेह रहित बनाना या निर्भ्रांत तथा प्रामाणिक बनाना।
- शोध या अनुसन्धान शब्द अंग्रेजी के “रिसर्च” (Research) शब्द का हिंदी पर्याय है जिसका शाब्दिक अर्थ – पुनः खोजना।

“आचार्य विश्वनाथ मिश्र” के शब्दों में “किसी विषय में सच क्या है? क्या सच नहीं, इसका विश्लेषण करके एक परिणाम तक पहुँचने के लिए हम जो प्रयत्न करते है,वह शोध ही है”

“द न्यू सेन्चुरी डिक्शनरी” के अनुसार “तथ्यों या सिद्धांतो के लिए किया गया अन्वेषण , जांच-पड़ताल अनुसन्धान या शोध कहलाता है |”

“हजारी प्रसाद द्विवेदी” के शब्दों में “शोध का प्रयोग रिसर्च में होने लगा है जो स्थूल अर्थ में विस्मृत एवं नवीन तथ्यों का अनुसन्धान तथा सुक्ष्म अर्थ में भाषाविज्ञान के पुनर्मुल्यांकन एवं नई व्याख्याओं का सूचक है।” इसे ही Discovery of facts कहते हैं।

शोध की परिभाषा

- किसी भी मौलिक कार्य जो क्रमबध्य एवं वैज्ञानिक विधि से, किसी लक्ष्य की प्राप्ति हेतु किया जाय और जिसके परिणाम हमारे ज्ञान में वृद्धि करे एवं कई चीजों को सत्यापित करे, शोध कहलाता हैं।

- **वैज्ञानिक विधि:–** वैज्ञानिक विधि से तात्पर्य उस विधि से होता है जिसके द्वारा वैज्ञानिक अपने विषय वस्तु का अध्ययन एक नियंत्रित परिस्थिति में करके एक वैध सामान्यीकरण करते हैं।

शोध की अनिवार्यताएं

- शोध के विषय में आरंभिक ज्ञान
- विषय के चुनाव में सावधानी
- भविष्य में की जाने वाली कठिनाइयों का बोध
- शोध–कार्य के क्षेत्र-निर्धारण में सतर्कता
- पध्दति का चयन
- पूर्व अध्ययन एवं पूर्व परिक्षण
- समय एवं व्यय का अनुमान
- स्वयं को तैयार करना

शोध की आवश्यकता

- अज्ञात की जिज्ञासा
- नवीन तथा अप्रत्याशित स्थिति का प्रकट होना
- कारण और प्रभाव जानने की इच्छा
- नई प्राणालियों की परीक्षा

शोध की उपयोगिता

- अज्ञानता की समाप्ति
- नवीन विचारो का उदय
- वैज्ञानिक अध्ययन व विश्लेषण
- अंधविश्वास की समाप्ति
- सामाजिक नियंत्रण में सहायक
- सामजिक प्रगति में सहायक
- समाज कल्याण में सहायक

शोध के प्रकार

- मूल शोध (Basic Research)
- प्रायोगिक शोध (Applied Research)

मूल शोध (BASIC RESEARCH)

- मूल शोध या अनुसन्धान में सिद्धांत (Theory) निर्माण होता है जो ज्ञान का विस्तार करता है।
- इसमें नए तथ्यों, नियमों एवं सिद्धांतों की खोज कि जाती है।
- मूल शोध में शोध-कर्ताओं को इस बात की चिंता नहीं होती है की उसके द्वारा प्राप्त निष्कर्ष से किसी क्षेत्र की व्यावहारिक समस्या के समाधान में मदद मिलेगी या नहीं।

प्रायोगिक शोध (APPLIED RESEARCH)

- ऐसे सभी शोध जिनसे व्यवहारिक उपयोग के माध्यमों की खोज की जाती है अथवा मूल शोधों को व्यवहारिक रूप में परिवर्तित करने के प्रयास किए जाते हैं उन्हें प्रायोगिक शोध कहते हैं।

शोध के कुछ अन्य प्रकार

- प्रयोगात्मक शोध(Experimental Research)
- वर्णनात्मक शोध(Descriptive Research)
- क्रिया शोध(Action Research)
- गुणात्मक शोध(Qualitative Research)
- परिमाणात्मक शोध(Qualitative Research)

प्रयोगात्मक शोध
(EXPERIMENTAL RESEARCH)

- प्रयोगात्मक शोध के द्वारा नवीन सिद्धांतों एवं नियमों का प्रतिपादन किया जाता है। मानव व्यवहार किस प्रकार से करते हैं उनका अध्ययन किया जाता है इसमें सत्य की प्राप्ति हेतु शोध किया जाता है।

- प्रयोगात्मक शोध प्रयोगशाला में भी किया जा सकता है या क्षेत्र में भी।

उदाहरण:

पुरस्कार का प्रभाव बच्चों के सीखने की प्रकिया पर क्या पड़ता है।

प्रयोगात्मक शोध के गुण

- अध्ययन के दौरान अध्ययन-विषय पर किसी प्रकार का बाह्य प्रभाव नहीं पड़ने दिया जाता |
- इसमें जो डेटा प्राप्त करते हैं उसका सांख्यिकीय विश्लेषण करते हैं।
- यह गुणात्मक डेटा पर आधारित होता है।
- यह परिणाम विश्लेषण शोध होता है |
- इस प्रकार के शोध में चरों में जोड़-तोड़ सीधे या प्रयोगात्मक रूप से होता है , अत: इसके परिणाम अधिक विश्वसनीय होते हैं|

क्रिया शोध (Action Research)

- ये एक प्रकार के तात्कालिक अनुसंधान होते हैं जो एक निश्चित समाज में किसी सत्य की खोज करते हैं या प्रत्यक्ष समस्या का समाधान प्रस्तुत करते हैं।

- जब हम किसी स्थिति में बदलाव लाना चाहते हैं तब हम क्रिया शोध का प्रयोग करते है।

क्रिया शोध के गुण

- इस प्रकार के शोध में तुरंत परिणाम प्राप्त किया जाता हैं।
- यह गुणात्मक डेटा पर आधारित होता है।

वर्णनात्मक शोध (DESCRIPTIVE RESEARCH)

- वर्णनात्मक शोध में विषय या घटना की स्थिति का शीघ्र अध्ययन किया जाता है।
- वर्णनात्मक शोध में वर्तमान परिस्थितियों की पहचान एवं वर्तमान परिस्थितियों को केंद्रित किया जाता है।
- वर्णनात्मक शोध को अनेक नामों जैसे – नोर्मेटीव सर्वेक्षण, विवरणात्मक सर्वेक्षण आदि के नाम से जाना जाता है।
- उदाहरण :- शिक्षा सम्बन्धी अनुसन्धान

वर्णनात्मक शोध के गुण

- इसका एक विशिष्ट उधेश्य होता है।
- इसका अध्ययन क्षेत्र समाष्टि या न्यादर्श तक होता है।
- इसमें गुणात्मक या संख्यात्मक दोनों प्रकार का होता है।
- सामजिक –विज्ञान में अधिकतम प्रयोग।
- इसमें केस-स्टडी (case-study) की जाती है।

गुणात्मक शोध (QUALITATIVE RESEARCH)

- इस शोध में परिवर्तन शील तत्वों (variables) का उनके गुणों के आधार पर विश्लेषन किया जाता है। गुणात्मक शोध आगमन पद्धति (Inductive Approach) पर आधारित होता है।

- गुणात्मक शोध में आकड़ा संग्रह ,विश्लेष्ण की प्रक्रियाएँ तथा सिद्धांत का सत्यापन साथ –साथ चलता है।

- गुणात्मक शोध आगमनात्मक है।

गुणात्मक शोध के गुण

- गुणात्मक शोध व्यक्तिगत अनुभवों और विश्लेषण पर जोर देता है।
- गुणात्मक शोध फोकस ग्रुप, गहन साक्षात्कार, इंटरव्यु और डाक्यूमेंट्स के रिव्यु पर आधारित होता है।
- गुणात्मक शोध के अंतर्गत कुछ विषयों पर ज्यादा विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है।
- गुणात्मक शोध ज्यादातर विषयनिष्ठ (subjective) होता है।
- गुणात्मक शोध में प्रतिदर्श इकाइयां सामाजिक घटना के एक वर्ग तथा समूह का प्रतिनिधित्व करते हैं।

मात्रात्मक शोध (QUANTITATIVE RESEARCH)

- इस शोध में परिवर्तन शील तत्वों (variables) का संख्या या मात्रा के आधार पर विश्लेषण किया जाता है। मात्रात्मक शोध निगमन पद्धति (Deductive Approach) पर आधारित होता है।
- मात्रात्मक शोध में सिद्धांत निर्माण का कार्य पूरा होने के पश्चात् किया जाता है।
- मात्रात्मक शोध निगमनात्मक है।

मात्रात्मक शोध के गुण

- मात्रात्मक शोध आंकडो पर आधारित होता है और इसका निष्कर्ष भी आंकडो द्वारा निर्धारित होता है।
- यह क्रिया और प्रतिक्रिया, घटना और उसके परिणाम या प्रयोजन और प्रभाव से जुड़ा हुआ होता है।
- आंकडो के आधार पर एक नए आंकड़े को निकालना ही मात्रात्मक शोध का उद्देश्य होता है।
- मात्रात्मक शोध किसी भी प्रकार के पक्ष या भाव से रहित होता है।
- मात्रात्मक शोध में ,शोधकर्ता शोध आरम्भ करने के पूर्व अवधारणाओं को परिभाषित करता है।

धन्यवाद

सुझाव आमंत्रित !!!!!